देश का पहला प्राकृतिक रूप से विकसित फर्नाटम (संरक्षण क्षेत्र)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **देश का पहला प्राकृतिक रूप से विकसित फर्नाटम (संरक्षण क्षेत्र)** अल्मोड़ा ज़िले के रानीखेत में कालिका वन रेंज में तैयार हो चुका है। विभाग द्वारा इसे एशियाई स्तर का अध्ययन स्थल बनाने का प्रयास किया जाएगा ताकि शोधकर्त्ताओं को **जुरासिक युग की इन फर्न प्रजातियों के बारे में** पता चल सके।

प्रमुख बिंदु

- उत्तराखंड के मुख्य वन संरक्षक (अनुसंधान) संजीव चतुर्वेदी द्वारा हाल ही में **कालिका वन अनुसंधान केंद्र** के दलमोती रोड पर नया फर्नाटम खोला गया था।
- उन्होंने बताया कि **फर्न प्रजातियाँ औषधीय रूप से बहुत फायदेमंद** हैं और उन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता है। इनके संरक्षण के लिये कालिका में एक हेक्टेयर क्षेत्र में फर्नाटम तैयार किया गया है।
- संजीव चतुर्वेदी के अनुसार, **फर्नाटम में उत्तराखंड के उच्च, मध्य और निचले हिमालयी क्षेत्रों में पाई जाने वाली प्रजातियों का भंडार** है और जल्द ही इस **फर्नाटम को एशिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा प्राकृतिक रूप से विकसित क्षेत्र बनाया जाएगा।**
- **वर्तमान में 103 विभिन्न प्रकार के फर्न** हैं। इनमें से **95 फीसदी प्रजातियाँ उत्तराखंड से** हैं।
- फर्नाटम में पाई जाने वाली कई फर्न प्रजातियों में से, **हंसराज उत्तराखंड की एक विशिष्ट फर्न प्रजाति** है। यह **औषधीय गुणों से भरपूर** है और इसकी **जड़ों का उपयोग सर्पदंश के प्रभावों का मुकाबला करने के लिये** किया जाता है। कालिका में इसकी 10 प्रजातियाँ हैं।
- चतुर्वेदी ने बताया कि **केरल में हरे और शेड घरों में फर्न प्रजातियों के लिये एक संरक्षण केंद्र स्थापित** किया गया है, लेकिन **कालिका में स्थानीय जलवायु के अनुसार प्राकृतिक रूप से देश का पहला फर्नाटम** तैयार किया गया है। इसे **फर्न प्रजातियों के अध्ययन का नोडल केंद्र** बनाया जाएगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/country-first-naturally-grown-fernatum-conservation-zone